Date
01/05/20

B.Ed - II

"Work Education.
Sub - Gandhiji's Naitalim. &
Community Engagement."

पाउलो फ्रेरा के शैक्षिक विचार ⇒ पाउलो फ्रेरा ने मानव, समाज और राष्ट्र के लिए शिक्षा को बहुत महत्वपूर्ण माना और कहा कि पीड़ितों की गरीबी और भुखमरी केवल शिक्षा के द्वारा ही दूर हो सकती है। वे स्त्रियों और पुरुषों को शिक्षा के माध्यम से स्वयं को जानने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही स्त्रियों और पुरुषों के लिए जानने, समझने, व्यवहार करने और कार्य करने की क्षमता प्रदान करती है।

शिक्षा की अवधारणा ⇒ पाउलो फ्रेरा ने कहा कि व्यक्ति जो भी कार्य करता है वह अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए करता है और वह वातावरण के साथ जो प्रतिक्रिया करता है वह प्रतिक्रिया ही शिक्षा की प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया से जो अनुभव प्राप्त होता है उससे व्यक्तित्व का विकास होता है। जैसे-जैसे उसका विकास होता है तो उसके ज्ञान में वृद्धि होती जाती है यही प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है।

शिक्षा के आदर्श एवं उद्देश्य ⇒ पाउलो फ्रेरा के अनुसार आज की दुनिया में अनेकानेक विषम परिस्थितियाँ और विसंगतियाँ है जिसके कारण मानव अपनी मौलिक कर्तव्यों का हनन करने में जरा भी संकोच नहीं करता वह अपने हितों के पूर्ति के लिए समानता, बन्धुत्व और सामाजिक न्याय को तिलांजली दे दी है और स्वयं के लिए ही जीने का आधार बना लिया है। विद्यालयों में भी शिक्षक और शिक्षार्थी के सम्बन्धों में भी वह आत्मीयता नहीं रही है। पाउलो फ्रेरा का मानना था कि यदि यह दृष्टि को बचाए रखना है तो मानवतावादी शिक्षा को विद्यालयों में पढ़ाया

... house since ...

जाना अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसी से सर्वत्र शान्ति और भ्रातृत्व वातावरण का निर्माण हो सकता है। पाउलो फ्रेरा के द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के आधार पर शिक्षा के उद्देश्यों को निम्न प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है -

I. शिक्षा का उद्देश्य मानवीय गुणों - प्रेम सहानुभूति, दया, करुणा, सौहार्द्र परोपकार एवं उदारता का विकास करना होना चाहिए।

II. शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को उसकी विशिष्टता और महानता का एहसास कराना है जिससे उन्हें स्वयं की क्षमता का ज्ञान हो सके।

III. शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को कर्म के लिए प्रेरित करना होना चाहिए।

IV. शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के अन्दर नैतिकता का निर्माण करना है जिसके द्वारा वह स्व के दृष्टिकोण से ऊपर उठकर मानवता के कल्याण के लिए कार्य कर सके।

V. पाउलो फ्रेरा लोकतंत्र के सच्चे व प्रबल समर्थक थे इसलिए वह व्यक्ति व समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को फैलाकर एक वर्गहीन समाज की स्थापना करना चाहते थे।

पाठ्यक्रम ⇒ I. ईसा मसीह से प्रभावित होने कारण धार्मिक पुस्तकों के पठन पाठन के पक्षधर थे।

II. कार्ल मार्क्स से प्रभावित होने कारण वे सामाजिक अन्तर्विरोधों को समझने पर बल देते थे।

III. उन्होंने सार्त्र, एरिक फ्रॉम, माओत्सेतुंग, और मार्टिन लूथर किंग के विचारों को पाठ्यक्रम का अंग बनाने की बात की।

IV. पाठ्यक्रम में समाजवाद व साम्यवाद के पक्षधर थे।

V. गणित, इतिहास और भूगोल को सरलता से पढ़ाया जाना चाहिए।

VI. पाठ्यक्रम में शिक्षा, कला, नीतिशास्त्र, खेल भाषा, मानवाधिकार, सामाजिक, धर्म और दार्शनिक विचारधारा जैसी ज्ञान की शाखाओं पर चर्चा हो।

VII. पाठ्यक्रम में अल्पसंख्यकों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner